सीआईएमपी को मिली एआईयू से मान्यता

उपलब्धि

पटना | वरीय संवाददाता

चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान, पटना (सीआईएमपी) को एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) से मान्यता मिली है। संस्थान द्वारा यहां के विद्यार्थियों को दी जाने वाली दो वर्षीय पूर्णकालिक स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएम) कोर्स को एमबीए के बराबर मान्यता दी गई है। पीजीडीएम को एआईसीटीई और नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रेडिटेशन (एनबीए) से पहले ही मान्यता मिल चुकी है।

यह मान्यता तीन वर्षों यानी 2022 तक के लिए मिली है। यह जानकारी संस्थान के निदेशक वी मुकुन्दा दास ने शुक्रवार को प्रेस वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि यह एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त देश का पहली शिक्षण संस्थान है, जिसे एक साथ एनबीए और एआईयू से तीन साल की लंबी अवधि के लिए मान्यता मिली है। इससे यहां के विद्यार्थियों को न सिर्फ अपने देश में बल्कि विदेशों में नौकरी और अच्छे विश्वविद्यालयों में नामांकन के अवसर मिलेंगे। निदेशक ने बताया कि सीआईएमपी ने अपनी स्थापना के 11 वर्षों के समय में ही कई उपलब्धियां हासिल की हैं। जल्द ही सीआईएमपी का इगेड बिजनेस स्कूल मैक्सिको सिटी के साथ विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था से संबंधित शोध करेगा। इसके अलावा संस्थान का कई अंतरराष्ट्रीय बिजनेस स्कूलों के साथ भी करार होगा। इनमें इंग्लैंड के यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर, मैनचेस्टा मेट्रोपोलिटन यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ साल्फोर्ड और ज्यूरिख यूनिवर्सिटी से करार हो रहा है।

बढ़ेंगे अवसर

- एनबीए और एआईयू से लंबी अवधि की मान्यता पाने वाला राज्य का पहला संस्थान
- छात्रों को देश-विदेश के किसी भी संस्थानों में पढ़ने अथवा नौकरी करने का मिलेगा मौका

अन्य महत्वपूर्ण विशेषताएं हैं

- आईआईआरएफ की मान्यता में कई पुराने नामचीन बिजनेस स्कूलों को पीछे छोड़ा
- स्टार्टअप इन्क्यूबेशन सेंटर और बिजनेस इनोवेशन लैब स्थापित की गई
- अब तक निकले 10 बैच में 100 प्रतिशत प्लेसमेंट रिकॉर्ड रहा

Hindustan (Hindi) Page.No-06
Dated:21-09-2019

सीआईएमपी के पीजीडीएम कोर्स को एआईयू से मिल गई मान्यता

पटना| एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज ने चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना (सीआईएमपी) के पीजी डिप्लोमा कोर्स को एमबीए के समकक्ष मान्यता दी है। सीआईएमपी के पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट प्रोग्राम को एआईसीटीई व नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रीडिटेशन से भी मान्यता प्राप्त है।

अब सीआईएमपी देशभर में पहला ऐसा सरकारी संस्थान बन गया है जिसे एनबीए, एआईसीटीई और एआईयू से सबसे लंबी अवधि के लिए मान्यता मिली है। संस्थान को वर्ष 2022 तक के लिए मान्यता मिली है। शुक्रवार को प्रेसवार्ता में संस्थान के निदेशक प्रो. वी. मुकुंद दास ने बताया कि प्लेसमेंट, रिसर्च, फैकल्टी, इंफ्रास्ट्रक्चर आदि मापदंडों पर विचार के बाद एआईयू ने पीजीडीएम कोर्स को एमबीए डिग्री के समकक्ष मान्यता दी है। इससे संस्थान के छात्रों के लिए भारत या विदेशों में उच्च शिक्षा और सरकारी नौकरी के लिए दरवाजे खोल दिए हैं। अब संस्थान की डिग्री या मान्यता को लेकर बाधा नहीं है।

प्रो. दास ने बताया कि वर्किंग प्रोफेशनल्स के लिए सीआईएमपी में एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम इन मैनेजमेंट शुरू किया जाएगा। इस कोर्स में 60 सीटें होंगी। जल्द ही इसपर विस्तार से गाइडलाइन जारी की जाएगी।

Dainik Bhaskar ! Page.No-04
Dated:21-09-2019

पीजी डिप्लोमा को एमबीए के समकक्ष मिली मान्यता

जासं, पटना: चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआइएमपी) के पीजी डिप्लोमा कोर्स को एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआइयू) ने एमबीए के समकक्ष मान्यता दी है। जबकि पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट प्रोग्राम को एआइसीटीई व नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रीडिटेशन (एनबीए) ने पहले से मान्यता दे रखी है।

संस्थान के निदेशक प्रो. वी मुकुंद दास ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि एआइयू से मान्यता मिलने के बाद सीआइएमपी देश का पहला ऐसा सरकारी संस्थान बन गया है, जिसे एनबीए, एआइसीटीई और एआइयू तीनों से सबसे लंबी अवधि के लिए मान्यता है। संस्थान को 2022 तक के लिए मान्यता दी गई है।

सभी मापदंडों को परखने के बाद मान्यता : निदेशक ने बताया कि सभी मापदंडों को परखने के बाद एआइयू ने पीजीडीएम कोर्स को एमबीए डिग्री के समकक्ष मान्यता दी है। इसमें प्लेसमेंट, रिसर्च, फैकल्टी, ढांचागत सुविधाएं आदि प्रमुख हैं। मान्यता के बाद अब छात्रों को बड़ी सहूलियत मिलेगी।

2022 तक के लिए संस्थान को दी गई है कोर्स की मान्यता

वर्किंग प्रोफेशनल्स के लिए जल्द शुरू होगा कोर्स

निदेशक ने बताया कि वर्किंग प्रोफेशनल्स के लिए सीआइएमपी अगले साल से एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम इन मैनेजमेंट प्रारंभ करेगा। इसमें 60 प्रोफेशनल नामांकन ले सकेंगे। किसी भी संस्थान के कर्मचारी इसमें नामांकन ले सकते हैं। 18 माह में कोर्स पूरा होगा। डिग्री पीजी डिप्लोमा की दी जाएगी।

Dainik Jagran ! Page.No-06
Dated:21-09-2019

CIMP gets three-year recognition from AIU

Megha
• htpatna@hindustantimes.com

PATNA: Association of Indian Universities (AIU) granted two-year Post Graduation Diploma in Management programme offered by Chandragupt Institute of Management Patna (CIMP) equivalent status with Master of Business Administration degree up to academic year 2022.

V Mukunda Das, director of CIMP, said, "This equivalence from AIU has opened the doors for the PGDM students of our institute to pursue further higher studies in India or foreign countries. It will also help the students aspiring government jobs to apply without any hassles as the PGDM would officially be treated on par with the Master's Degree of Indian Universities."

He further said that the institute would also offer PGDM course for working professionals.

"The institute is planning to introduce 18-month executive diploma programme for the working professionals. The professionals with minimum two-years of experience can enrol themselves, keeping the office hours of the professional students in mind, the classes would in the evening or holidays", added Das.

Hindustan Times ! Page.No-02
Dated:21-09-2019

CIMP's PGDM prog equivalent to MBA: Mukunda Das

OUR CORRESPONDENT

PATNA: Chandragupta Institute of Management Patna (CIMP) director V Mukunda Das on Friday said that the Association of Indian Universities (AIU) had accorded the two-year full-time post graduate diploma in management (PGDM) program, offered by the institute, status equivalent to the master of business administration (MBA) degree offered by any Indian University.

"PGDM, the flagship programme offered at CIMP, is already approved by All India Council for Technical Education (AICTE) and accredited by National Board of Accreditation (NBA)," said Das.

PGDM, the flagship programme offered at CIMP, is already approved by All India Council for Technical Education (AICTE) and accredited by National Board of Accreditation (NBA), said Das

After detailed deliberations on all the required parameters against several criteria, the AIU approved the equivalence of a two-year PGDM offered by CIMP with a three-year MBA degree. Das further said that Association of Indian Universities (AIU) is the nodal agency for granting academic equivalence to the PGDM programme with MBA degree of an Indian University for the purpose of admission to higher studies in India and abroad. AIU ensures that only AICTE approved and NBA accredited PGDM program which are of very high quality be granted equivalence.

"As of now, CIMP is the only AICTE approved state government institute in the country having longest period of approval from AIU along with accreditation from NBA. It is the only government institute in the state that is offering PGDM equivalent to MBA," said the director. He also added that the equivalence from AIU had opened doors for PGDM students of the CIMP to pursue higher studies within the country or abroad and apply for jobs of choice without any hassles, as their degree was now treated on par with the MBA degree offered by other Indian universities.

Morning India ! Page.No-03 ! Dated:21-09-2019

कोर्स को एआईयू से मिली मान्यता

PATNA : चन्द्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना के दो साल के डिप्लोमा कोर्स को मास्टर्स के बराबर की मान्यता मिल गई है. शुक्रवार को संस्था निदेशक डॉ. वी मुकुंद दास ने जानकारी देते हुए बताया कि सीआईएमपी के पीजीडीएम कोर्स को एआईयू (एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज) की तरफ से एमबीए की मान्यता मिली है.

I-Next | Dated- 21-9-2019

सीआईएमपी को मिली एआईओ की मान्यता

पटना। भारतीय विश्वविद्यालयों के संगठन (असोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज) ने चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना सीआईएमपी द्वारा अपने स्टूडेंट्स को दिए जाने वाले दो साल के पूर्णकालिक स्नातकोत्तर डिप्लोमा पीजीडीएम कार्यक्रम को मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन एमबीए की डिग्री के समानक समकक्षता दी है। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना का प्रमुख कार्यक्रम-पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट-पीजीडीएम ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन-एआईसीटीई द्वारा पहले से ही अनुमोदित है और राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (नेशनल बोर्ड ऑफ अक्रेडीटेशन-एनबीए द्वारा भी मान्यता प्राप्त है। कई मानदंडों के अन्तोर्गत आने वाले सभी निर्दिष्ट मापदंडों पर विस्तृत विचार-विमर्श के बाद, असोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज ने सीआईएमपी के पीजीडीएम कार्यक्रम को एमबीए डिग्री की समकक्षता को मंजूरी दे दीए जो कि तीन साल तक यानी शैक्षणिक वर्ष 2022 तक है। एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज भारत और विदेश में उच्च अध्ययन में प्रवेश के उद्देश्य के लिए भारतीय विश्वविद्यालय के मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की डिग्री के साथ पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट को अकादमिक समकक्ष प्रदान करने के लिए नोडल एजेंसी है। एआईयू यह सुनिश्चित करता है कि केवल एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित और एनबीए मान्यता प्राप्त पीजीडीएम कार्यक्रम जो बहुत उच्च गुणवत्ता के हैं उन्हें तुल्यता प्रदान की जाए। इस समय, सीआईएम पी भारत में एकमात्र एआईसीटीई अनुमोदित राज्य सरकार का संस्थान है, जिसे नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रिडिटेशन से मान्यता के साथ एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज से अनुमोदन की सबसे लंबी अवधि की मान्यता प्राप्त है। सीआईएमपी बिहार में एकमात्र सरकारी संस्थान है जिसका पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट कार्यक्रम के समकक्ष है। डॉ वी मुकुंद दासए निदेशक सीआईएमपी ने कहा है की एआईयू की इस समकक्षता ने संस्थान के छात्रों के लिए भारत या विदेशी देशों में उच्चतर अध्ययन और सरकारी नौकरी के लिए दरवाजे खोल दिए हैं क्योंकि अब संस्थान की डिग्री या मान्यता को लेकर कोई बाधा नहीं है क्योंकि इसे आधिकारिक तौर पर भारतीय विश्वविद्यालयों की मास्टर डिग्री के साथ बराबर माना गया है।

Aaj | P-8 | D-21-9-19

सीआइएमपी शुरू करेगा पीजीडीएम कोर्स

- एआइयू ने सीआइएमपी के पीजीडीएम कोर्स को एमबीए डिग्री के समकक्ष दी मंजूरी

संवाददाता ▷ पटना

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) जल्द ही वर्किंग प्रोफेशनल के लिए पीजीडीएम (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट) कोर्स शुरू करेगा. इसके लिए तैयारी चल रही है. यह कोर्स एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम इन मैनेजमेंट के तहत शुरू किया जायेगा. वर्किंग प्रोफेशनल को जो डिग्री मिलेगी, उसमें पीजीडीएम इन एग्जिक्यूटिव प्रोग्राम इन मैनेजमेंट लिखा रहेगा. पहली बार 60 सीटों पर एडमिशन होगा. एडमिशन लेने के लिए दो साल का वर्किंग एक्सपीरियंस जरूरी है. कोर्स 18 महीने का होगा. क्लास शाम या छुट्टी के दिन चलेगा. इसमें पढ़ाई के साथ-साथ प्रोजेक्ट वर्क पर भी ज्यादा ध्यान दिया जायेगा. इसकी जानकारी शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीआइएमपी के डायरेक्टर डॉ वी मुकुंद दास ने दी. उन्होंने कहा कि कोर्स फीस अभी तय नहीं है, लेकिन तीन लाख के करीब फीस होने की उम्मीद है. अभी कोर्स शुरू करने के लिए रिसर्च किया जा रहा है. वैसे एग्जिक्यूटिव प्रोग्राम इन मैनेजमेंट के दो बैचों के सफल संचालन के तहत ही वर्किंग प्रोफेशनल के लिए यह कोर्स डिजाइन किया जा रहा है. दो बैच सरकार द्वारा दी गयी अधिकारियों की सूची के अनुसार पढ़ाया गया. दोनों बैचों में 30-30 प्रशासनिक अधिकारी थे. इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट प्रो कल्याण अग्रवाल ने बताया कि कई विदेशी शिक्षा संस्थानों के साथ एमओयू साइन हो रहा है. बिजनेस लैब भी स्थापित किया जा रहा है, जहां रिसर्च पर भी जोर दिया जायेगा.

तीन साल की मान्यता वाला पहला संस्थान

डॉ वी मुकुंद दास ने कहा कि एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआइयू) ने सीआइएमपी द्वारा चलाये जा रहे दो साल के पूर्णकालिक पीजीडीएम प्रोग्राम को एमबीए डिग्री के समकक्ष मान्यता दी है. यह मान्यता तीन साल के लिए 2022 तक की है. देश का यह पहला स्टेट इंस्टीट्यूशन है, जिसे एआइयू, इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआइसीटीइ) और नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रिडिएशन (एनबीए) द्वारा तीन साल की मान्यता दी गयी है. यह बिहार के लिए गर्व की बात है. डॉ दास ने कहा कि यह इंस्टीट्यूशन के चेयरमैन और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कारण संभव हो पाया है. उन्होंने काफी फ्रीडम दिया और इंस्टीट्यूशन ने काफी बेहतर प्रयोग और सरकार के साथ मिल कर काम किया.

Prabhat Khabar ! Page.NO-05
Dated:21-09-2019

सीआईएमपी को मिली एनबीए से मान्यता

पटना (एसएनबी)। भारतीय विश्वविद्यालयों के संगठन (असोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज-एआईयू) ने चंद्रगुप्त इंस्टीय्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) को दो साल के पूर्णकालिक स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएम) कार्यक्रम को मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) की डिग्री के समकक्षता दी है। सीआईएमपी का प्रमुख कार्यक्रम पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम) ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) द्वारा पहले से ही अनुमोदित है। साथ ही राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (नेशनल बोर्ड ऑफ अक्रेडिटेशन-एनबीए) द्वारा भी मान्यता प्राप्त है। ये बातें संवाददाता सम्मेलन में सीआईएमपी के निदेशक डॉ. बी. मुकुंद दास ने कहीं।

उन्होंने बताया कि कई मानदंडों के अंतर्गत आने वाले सभी निर्दिष्ट मापदंडों पर विस्तृत विचार-विमर्श के बाद असोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज ने सीआईएमपी के पीजीडीएम कार्यक्रम को एमबीए डिग्री की समकक्षता को मंजूरी दे दी जो कि तीन साल तक यानी शैक्षणिक वर्ष 2022 तक है। किसी भी राज्य सरकार द्वारा संचालित यह एकलौता मैनेजमेंट संस्थान है जिसे एक साथ तीन साल के लिए मंजूरी दी गयी है। एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) भारत और विदेश में उच्च अध्ययन में प्रवेश के उद्देश्य से भारतीय विश्वविद्यालय के मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) की डिग्री के साथ पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम) को अकादमिक

संवाददाताओं को संबोधित करते डॉ. बी. मुकुंद दास।

समकक्ष प्रदान करने के लिए नोडल एजेंसी है। एआईयू यह सुनिश्चित करता है कि केवल एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित और एमबीए मान्यता प्राप्त पीजीडीएम कार्यक्रम जो बहुत उच्च गुणवत्ता के हैं उन्हें तुल्यता प्रदान की जाये।

उन्होंने बताया कि सीआईएमपी बिहार का एक मात्र संस्थान है जिसका पीजीडीएम कार्यक्रम एमबीए के समकक्ष है। एआईयू की इस समकक्षता ने संस्थान के छात्रों के लिए भारत या विदेशों में उच्चतर अध्ययन और सरकारी नौकरी के लिए दरवाजे खोल दिये हैं। यहां की डिग्री को अधिकारिक तौर पर भारतीय विश्वविद्यालयों की मास्टर डिग्री के बराबर माना गया है। संस्थान में सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए नौ सेंटर ऑफ एक्सलेंस खोला गया है। बेहतर कार्य के लिए संस्थान को कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अवार्ड मिल चुका है। उन्होंने बताया कि यहां जल्द ही अठारह महीने का एक्जीक्यूटिव प्रोग्राम इन मैनेजमेंट शुरू किया जाएगा। इसमें दो साल या इससे अधिक के वर्किंग प्रोफेशनल्स नामांकन ले सकते हैं।

Rashtriya Sahara ! Page.No-06
Dated:21-09-2019

सीआईएमपी को एआईयू और एनबीए से मान्यता

पटना/कार्यालय संवाददाता। मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट के रूप में बिहार का नाम उंचा कर रहा चन्द्रगुप्त प्रबंध संस्थान को भारतीय विश्वविद्यालयों के संगठन एसोशिएशन ऑफ यूनिवर्सिटीज एआईयू व नेशनल बोर्ड व एक्रीडेशन एनबीए से 2022 तक की मान्यता मिली है। इसकी जानकारी देते हुए संस्थान के निदेशक बी मुकंद दास ने बताया कि वर्तमान में देश में 3038 प्रबंधन संस्थानों को एआईसीटीई से मान्यता हे जिनमें से लगभग दस प्रतिशत 350 को एनबीए से मान्यता है उनमें से भी महज 72 को एआईयू ने अपनी मान्यता दी है। यह देश का पहला सरकारी संस्थान है जिन्हें इन दोनों बॉडी से मान्यता मिली है। उन्होंने बताया कि इसका प्रभाव नेशनल रैंकिंग पर भी पड़ेगा। उन्होंने बताया कि इस प्रबंधन संस्थान की सफलता का राज है कि इसके अध्यक्ष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार है और उनके नेतृत्व में यह संस्थान तेजी से विकास कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस संस्थान में 50 प्रतिशत सीटें एससी-एसटी व पिछड़ों के लिए आरक्षित है। उन्होंने बताया कि स्थापना काल से ही यहां के शत प्रतिशत बच्चो का कैम्पस सेलेक्शन होता है। इस सत्र में तो चालू सत्र क तीस प्रतिशत बच्चों का सलेक्शन हुा है। उन्होंने कहा कि यहां प्रोफेशनल के लिए 18 माह का एक्युटिव प्रोग्राम इन मैनेजमेंट के तहत कामकाजी लोगों को दक्ष किया जा रहा है। इस मौके प्रो. कल्याण अग्रवाल व कुमुद कुमार सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

Sanmarg ! Page.No03
Dated:21-09-2019